पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

परिणीति ने एनिमल छोड़ी या डायरेक्टर ने किया था बाहर?

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 235 ■ बुधवार, 11 दिसंबर 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

/ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

कल्याण सिविल कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

'दुर्गाडी किला' राज्य सरकार की संपत्ति

- मुस्लिम संगठन के दावे को खारिज किया
- करीब चार दशक बाद आया फैसला

कल्याण. ऐतिहासिक शहर कल्याण की सांस्कृतिक पहचान दुर्गाडी किले के स्वामित्व को लेकर कल्याण सिविल कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। वकील सचिन कुलकर्णी ने मीडिया को बताया कि कोर्ट ने फैसला दिया है कि दुर्गाड़ी किले की जगह राज्य सरकार की है और दुर्गाड़ी किले पर मुस्लिम संगठन के स्वामित्व के दावे को खारिज कर दिया है. कल्याण अदालत के इस फैसले के बाद शिवसेना, बीजेपी और कई हिंदूवादी संगठनों ने इस फैसले का स्वागत किया है और पूरी न्यायपालिका को धन्यवाद दिया है.

दिलचस्प बात यह है कि दुर्गाडी किले के स्वामित्व को लेकर यह मामला साढ़े चार दशक से भी अधिक समय से चल रहा था। मुस्लिम समुदाय की ओर से मजलिस ए मुशायरा ट्रस्ट ने दुर्गाड़ी किला स्थल पर मालिकाना हक का दावा करते हुए कहा था कि यह मुसलमानों का पूजा स्थल है. हालाँकि, कल्याण न्यायालय में वरिष्ठ स्तर के सिविल जज ए. एस. लांजेवार ने मजलिस ए मुशायरा ट्रस्ट द्वारा स्वामित्व से इनकार करते हुए कहा कि दावा निर्धारित अवधि के भीतर दायर किया गया था। वहीं, सरकारी वकील एडवोकेट सचिन कुलकर्णी ने बताया कि दुर्गाड़ी किला स्थल सरकार के स्वामित्व में होने के मामले पर मुहर लग गयी है.

उन्होंने इस समय कहा कि चूंकि यह जमीन सरकार की है, इसलिए वक्फ बोर्ड ने इस मामले में मुकदमा चलाने के लिए दायर दावे को भी खारिज कर दिया है.

■ हिंदू संगठनों ने किया फैसले का स्वागत

इस बीच कोर्ट के इस अहम और ऐतिहासिक फैसले का बीजेपी के पूर्व मंत्री और विधायक रवींद्र चव्हाण, शिवसेना कल्याणशहर प्रमुख रवि पाटिल, दिनेश देशमुख, हिंदुत्व संगठन के पराग तेली ने स्वागत किया है जो कई सालों से इसके लिए लड़ रहे हैं . साथ ही, शिवसेना जिला प्रमुख अरविंद मोरे और शहर प्रमुख रवि पाटिल के नेतृत्व में कई शिवसैनिकों ने दुर्गाडी किले पर देवी मंदिर में आरती करके परिणाम का स्वागत किया है .

उल्हासनगर में फिर शुरू हुए डांस बार

- पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश को चैलेंज
- ओंकार लॉज में चल रहा बैंकॉक का व्यवसाय
- सेंट्रल व विट्ठलवाड़ी पुलिस के आर्शिवाद से चल रहे डांस बार
- शिंदे के डांस बार मुक्त शहर का सपना टूटता नजर आ रहा

उल्हासनगर. पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे जिले को डांस बार मुक्त करने की ठानी हुई थी लेकिन जैसे ही चुनाव संपन्न हुए वैसे ही डांस बार का कारोबार दोबारा शुरू हो गया है। यह डांस बार खासकर सेंट्रल पुलिस थाने क्षेत्र में चल रहे हैं। साथ ही विट्ठलवाड़ी पुलिस क्षेत्र में भी शुरू है। सेंट्रल पुलिस के आर्शिवाद से इस क्षेत्र में कुल 6 डांस बार चल रहे हैं जिनमें चांदनी बार, आंचल पैलेस, टोपाज बार, पैराडाइज बार, आशियाना बार, WWF बार का समावेश है। इस क्षेत्र में ओंकार लॉज है जहां बैंकॉक की लड़कियों को वेश्यावृत्ति के दौरान गिरफ्तार किया था। अब खबर मिली है कि बैंकॉक के साथ बांग्लादेशी महिलाओं द्वारा वही कारोबार फिरसे धड़ल्ले से चलाया जा रहा है। सूत्रों ने खबर दी है कि इन अवैध धंधों को पुलिस का आर्शिवाद प्राप्त है।

श्रीराम चौक बना डांस बार का बाजार

उल्हासनगर-3 श्रीराम चौक पर भी आधा दर्जन डांस बार जिनमें 100 बार, 90 बार, ऐपल बार, राखी बार व अन्य आज भी धड़ल्ले से चल रहे हैं जिन पर पूर्व मुख्यमंत्री के आदेश के बाद कार्रवाई की गई थी लेकिन अब यहां भी दोबारा डांस बार शुरू कर आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही है। अब समझ नहीं आ रहा है कि सेंट्रल व विट्ठलवाड़ी पुलिस किस आदेश का इंतजार कर रही है ताकि इन अवैध डांस बारों पर कार्रवाई की जा सके। शहर में डांस बारों के साथ जुआ व मटके के अड्डे पर धड़ल्ले से चल रहे हैं।

सेंट्रल पुलिस थाने हद में चांदनी, आंचल, टोपाज, पैराडाइज, आशियाना, WWF बार धड़ल्ले से शुरू

पूर्व मुख्यमंत्री के आदेश पर हुई थी कार्रवाई

पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा डांस बार मुक्त अभियान के अंतर्गत शहर के सभी डांस बारों पर तोड़क कार्रवाई की गई थी। यह कार्रवाई कई दिनों तक चली थी। उल्हासनगर सहित कल्याण व डोंबिवली में भी कार्रवाई हुई थी। सेंट्रल पुलिस तथा विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने क्षेत्र में जितने भी डांस बार सभी को तोड़ा गया था। यह कार्रवाई पुलिस की मौजूदगी में मनपा ने की थी। लेकिन अब सूत्रों ने खबर दी है कि उल्हासनगर शहर में डांस बार दोबारा शुरू हो गए हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस को बधाई देने पहुंचे महेश सुखरामानी

उल्हासनगर. राज्य के नवनियुक्त मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलकर महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के कार्य अध्यक्ष महेश सुखरामानी ने भाजपा पार्टी की भारी बहुमत के जीत पर शुभकामनाएं। महेश सुखरामानी ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस की कार्यशैली की बदौलत ही महाराष्ट्र में भाजपा पार्टी और सहयोगी दलों को भारी बहुमत से विजय हासिल हुई। श्री देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र राज्य का तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाए जाने पर उन्हें सिंधी समाज की ओर से शुभकामनाएं देने भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य दादा लदाराम नागवानी के साथ महेश सुखरामानी भी पहुंचे।

युवक पर जानलेवा हमला

- तलवार व कोयते से 2 लोगों ने किया वार

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के शास्त्रीनगर निवासी कृष्णा जाधव (20) पर दो लोगों ने तलवार व कोयते से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है. कृष्णा ने हमलावर वासु गायकवाड़ और दादू गायकवाड़ के खिलाफ अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज कराया है. घटना को दो दिन हो गए हैं. पुलिस अभी तक आरोपियों को पकड़ नहीं पाई है. इसलिए कृष्णा की जान को खतरा बढ़ गया है. ऐसा आरोप कृष्णा के पिता उमाकांत जाधव ने लगाया है. घायल युवक का उपचार एक निजी अस्पताल में चल रहा है. कृष्णा के अनुसार वह 7 दिसंबर की रात में खाना खाकर घर से बाहर निकला तो वासू और दादू ने उसे जान से मारने के लिए तलवार और कोयता लेकर उसके पीछे भागे. उसे एक गली में घेरकर हाथ, कंधे पर वार करके गंभीर रूप से घायल कर दिया और लाठी से उसके सर पर मारा. आरोपी अभी भी फरार हैं और कृष्णा को धमकी दे रहे हैं कि वह उसे जान से मार देंगे. कृष्णा के पिता उमाकांत ने ऐसा आरोप लगाते हुए पुलिस से गुहार लगाई है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करें. कृष्णा पर प्राणघातक हमला करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है.

शहर के फुटपाथों पर दुकानदारों का कब्जा

- फुटपाथ के बाहर भी रखे जाते हैं सामान
- हर प्रमुख बाजारों में यही हाल
- मनपा अतिक्रमण विभाग ने की कार्रवाई
- व्यापारियों से अपील की दुकानों के बाहर सामान न रखें

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में फुटपाथ पर कब्जा कर यातायात बाधित करने वाले दुकानदारों के खिलाफ उल्हासनगर मनपा अतिक्रमण विभाग ने कल कार्रवाई की है, इस कार्रवाई में यातायात में बाधा डालने वाले दुकानदारों के फर्नीचर सामग्री आदि सामानों को मनपा ने जब्त किया है। इस कार्रवाई से कई दुकानदार नाराज थे। यह कार्रवाई उल्हासनगर-1 मुख्य बाजार नेहरू चौक, फर्निचर बाजार में की गई है। उल्हासनगर-1 से 5 तक कई दुकानदारों द्वारा फुटपाथों पर कब्जा कर लिया गया है जिस कारण लोग फुटपाथ पर चलने की बजाय सड़कों पर चल रहे हैं।

फुटपाथ लोगों के चलने के लिए बनाए गए हैं लेकिन उसका इस्तेमाल राहगीरों को कभी करते यहां देखा नहीं गया है। फेरीवालों के साथ सड़क किनारे अवैध रिक्शा स्टैंड व अवैध पार्किंग के कारण मुख्य चौड़ी सड़क छोटी हो जाती है जिस कारण दो तरफा ट्रैफिक जाम हो जाता है। सड़कों के किनारे अनधिकृत अतिक्रमण लगातार बढ़ गया है जिस कारण प्रशासन का कहना है कि यातायात सुचारू रूप से चलता रहे इसके लिए वे कार्रवाई कर रहे हैं।

■ प्रशासन की कार्रवाई एक तरफा- व्यापारी

वहीं दुकानदार व व्यापारियों का कहना है कि प्रशासन एक तरफा कार्रवाई कर रही है जबकि दुकानों के सामने फेरीवाले ढेरा डाले हुए हैं और दुकानों के समक्ष रिक्शाएं खड़ी की जाती है जिस कारण ग्राहक दुकानों के भीतर नहीं घुस पा रहा। अपनी रोजी चलाने के लिए उन्हें दुकानों के बाहर सामान रखना पड़ रहा है। कई दुकानदार तो फुटपाथों से भी बाहर सामान रखते देखे गए हैं। जिस कारण फेरीवालों व रिक्शाओं ने सड़कों पर कब्जा कर लिया है। अब यातायात शहर में जाम तो होना ही है क्योंकि बाकी की कसर शहर के खड्डों ने पूरी की है। शहर में सड़कों पर चलना फिरना भी दुश्वार हो गया है। इस हालत का जिम्मेदार दुकानदार व व्यापारी प्रशासन को ही मान रही है।

व्यापारियों से अपील की गई है कि शहर को सुंदर बनाने के लिए और यातायात सुचारू रूप से चलाने के लिए दुकानों के बाहर सामान न रखें। मनपा प्रशासन व पुलिस से भी मांग की गई है कि फेरीवालों व अवैध रिक्शा स्टैंड तथा अवैध पार्किंग पर भी कार्रवाई करें ताकि शहर में यातायात व व्यापार सुचारू रुप से चल सके। इसमें सभी के सहयोग की बात कही गई है।

फिल्म 'छत्रपति संभाजी महाराज' को लेकर मनसे आक्रामक

उल्हासनगर. 'छत्रपति संभाजी महाराज' का जीवन चरित्र बताने वाली फिल्म की महाराष्ट्र में जोरदार चर्चा हो रही है, लेकिन उल्हासनगर के अशोक अनिल मल्टीप्लेक्स में फिल्म की स्क्रीनिंग नहीं होने पर मनसे आक्रामक हो गई है. मल्टीप्लेक्स के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए चेतावनी दी गई कि छत्रपति संभाजी महाराज की फिल्म के बिना कोई भी शो नहीं चलेगा.

मनसे कार्यकर्ताओं ने सोमवार दोपहर से ही अशोक अनिल मल्टीप्लेक्स के बाहर नारेबाजी की. इस दौरान चेतावनी दी गई कि अगर छत्रपति संभाजी महाराज फिल्म का शो मल्टीप्लेक्स में रिलीज नहीं किया गया तो मल्टीप्लेक्स का कोई ग्लास नहीं बचेगा. मनसैनिक सीधे मैनेजर से मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दो दिन के अंदर शो शुरू नहीं हुआ तो मल्टीप्लेक्स बंद कर दिया जाएगा. मनसे कार्यकर्ताओं ने भावुक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बार 'छत्रपति संभाजी महाराज' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि हमारी अस्मिता का मुद्दा है.

सिनेमा हॉल के पास वाहन पार्किंग से बढ़ा सरदर्द

- दर्शकों की संख्या बढ़ने से लोगों की बढ़ी परेशानी

उल्हासनगर. हाल ही में रिलीज हुई एक फिल्म दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही है और सिनेमाघरों में दिन-रात चल रही है. दिन के खेल में जो फिल्म हाउसफुल जाती थी, वह अब सिनेमा हॉल वालों के लिए सिरदर्द बनने लगी है। उल्हासनगर में कैंप तीन क्षेत्र में सिनेमा हॉल के बगल में आवासीय क्षेत्र के घरों के सामने दर्शकों द्वारा अपने वाहन पार्क करने से निवासियों के वाहन फंस रहे हैं।

उल्हासनगर के कैंप में तीनों क्षेत्रों में सबसे ज्यादा थिएटर हैं। कल्याण बदलापुर राजमार्ग पर भारत, पैरामाउंट, अनिल - अशोक मिराज, जवाहर, बीएमएक्स जैसे मूवी थिएटर हैं। फिलहाल इन सिनेमाघरों में हाल ही में प्रदर्शित हुई फिल्म पुष्पा-2 को दर्शकों का जोरदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. यहां तक कि रात 12 बजे के बाद के खेल भी दर्शकों की भीड़ के साथ खेले जा रहे हैं। इसलिए थिएटर मालिकों में उत्साह है. लेकिन इन सिनेमाघरों के बाहर दर्शकों की गाड़ियों का असर आम लोगों पर पड़ रहा है.

उल्हासनगर के कल्याण बदलापुर हाईवे पर मूवी थिएटर के बाहर कई दर्शक अपनी गाड़ियां सड़क पर पार्क कर रहे हैं. उल्हासनगर एक व्यापारिक शहर है. मुख्य सड़क पर कई दुकानें व गोदाम हैं. इन दर्शकों की मुफ्त पार्किंग के कारण दुकानदारों और व्यापारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। यहां तक कि कुछ दर्शक अपने वाहन आसपास के रिहायशी इलाकों में भी पार्क कर देते हैं। चूंकि दर्शकों की ये गाड़ियां साढ़े तीन से चार घंटे तक घर के सामने खड़ी रहती हैं, इसलिए रिक्शा या चार पहिया वाहनों का मुख्य सड़कों से घर तक पहुंचना अक्सर मुश्किल होता है। घर की पार्किंग में खड़े वाहनों को हटाने में दिक्कतें आ रही हैं। इससे दर्शकों को लेकर शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दुकानदारों को भी इसी तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे और तैयार माल ले जाने वाले ट्रक, टेम्पो चालक और उपभोक्ता भी प्रभावित होते हैं। इसलिए सड़क जाम के साथ-साथ आंतरिक सड़कों पर भी इस जाम को खत्म करने की मांग की जा रही है. इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर अविनाश भामरे से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

डंपिंग ग्राउंड में आग बुझाने आया फायर फाइटर झुलसा

- कर्मचारी निजी ठेके पर कार्यरत
- मनपा उठाएगी मेडिकल खर्चा

उल्हासनगर. उल्हासनगर-5 इलाके में कचरे के डंपिंग ग्राउंड पर आग बुझाने गए दमकलकर्मी नितिन गुजर का पैर झुलस गया। डंपिंग ग्राउंड के कूड़े में कभी भी आग लग जाती है, आग का धुआं लगातार वहां बना रहता है, इसलिए बिना किसी सुरक्षा उपकरण के डंपिंग ग्राउंड के कूड़े पर पानी फेंकने से इस कर्मचारी के पैर जल गए। 15 साल से नितीन ठेका कर्मचारी के तौर पर काम कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने अभी तक उन्हें कायम नहीं किया है। आयुक्त विकास ढाकने ने कहा कि महानगरपालिका इनका मेडिकल खर्च उठाएगी।

अंबरनाथ में फिल्म फेस्टिवल 31 दिसंबर को

- मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री के आने की संभावना

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में 31 दिसंबर को स्ट्रीट फेस्टिवल का आयोजन किया गया है. इस फेस्टिवल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के उपस्थित रहने की संभावना है. ऐसी जानकारी अंबरनाथ शिवसेना के पूर्व शहर प्रमुख एवं पूर्व नगराध्यक्ष अरविंद वालेकर ने दी है.

गौरतलब है कि स्ट्रीट फेस्टिवल का आयोजन हर वर्ष दिसंबर महिने में किया जाता है, जिसमें नृत्य, गायन, चित्रकला, जिमनास्टिक, शिल्प कला एवं स्थानीय कलाकारों को भी अपना कला प्रस्तुत करने के लिए मंच दिया जाता है. अनेक खाद्य पदार्थों के स्टॉल भी लगाए जाते हैं. इन सब बातों का आनंद लेने के लिए अंबरनाथ के अलावा पड़ोस के शहरों, गांव से हजारों लोग अपने बच्चों के साथ यहां आते हैं, जिसके कारण यहां बहुत ज्यादा भीड़ हो जाती है.

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए आयोजक अरविंद वालेकर ने बताया कि गत वर्ष तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद श्रीकांत शिंदे फेस्टिवल में आए और आयोजकों की प्रशंसा की थी. इस वर्ष 31 दिसंबर को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के उपस्थित रहने की संभावना है. गत वर्ष एकनाथ शिंदे ने स्वीकर किया था कि फेस्टिवल से 50 हजार लोगों ने मनोरंजन किया है.

बाल शिवाजी उद्यान, मराठी भवन व बोट क्लब का होगा सौंदर्यीकरण

राज्य सरकार ने 10 करोड़ 85 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की

उल्हासनगर. उल्हासनगर के बाल शिवाजी उद्यान, मराठी भवन व हीराघाट बोट क्लब के सौंदर्यीकरण के लिए 10 करोड़ 85 लाख रुपये की निधि को सरकार ने मंजूरी दी है. उक्त परियोजनाओं पर कुल 15 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से स्थापित की जाएंगी और 30 प्रतिशत धनराशि मनपा द्वारा दी जाएगी। ऐसी प्रेस विज्ञप्ति सांसद श्रीकांत शिंदे के कार्यालय से जारी की गई है और इसकी पुष्टि मनपा सिटी इंजीनियर तरुण सेवकानी ने की है.

सांसद श्रीकांत शिंदे ने उल्हासनगर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सीवेज योजना, जल योजना, चार्जिंग स्टेशन आदि परियोजनाओं के साथ परिवहन सेवाएं शुरू करने का प्रयास किया था। उनकी ही पहल पर कैंप नंबर 1 में बाल शिवाजी उद्यान के निर्माण के लिए 50 लाख की योजना तैयार की गयी. इसके अनुसार, सरकार ने

महाराष्ट्र स्वर्ण जयंती शहरी उत्थान महाभियान के तहत जिला वार्षिक योजना से इन परियोजनाओं के लिए अपना हिस्सा देने की मंजूरी दी। महानगर पालिका के सिटी इंजीनियर तरूण सेवकानी ने बताया कि सरकार की ओर से इस संबंध में पत्र आया है.

बाल शिवाजी उद्यान, महिला और मराठी संस्कृति भवन के विकास और हीराघाट बोट क्लब के सौंदर्यीकरण नामक चार परियोजनाओं के लिए कुल 10 करोड़ 85 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। ये परियोजनाएं कुल 15 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से स्थापित की जाएंगी और 30 प्रतिशत धनराशि मनपा द्वारा साझा की जाएगी।

शहर में बाल शिवाजी उद्यान के लिए नगर पालिका का अंश 15 लाख है और शासन ने 35 लाख स्वीकृत किए हैं। कैंप तीन में हीराघाट बोट क्लब के सौंदर्यीकरण पर कुल 5 करोड़ रुपये की लागत आई है और सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 35 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं. वहीं कैंप-5 में महिला भवन के निर्माण की लागत 5 करोड़ है और सरकार ने 3 करोड़ 50 लाख रुपये स्वीकृत किये हैं. शहर के पूर्व में मराठी बंधु बड़ी संख्या में रहते हैं और मराठी भवन की कुल लागत 5 करोड़ होगी और सरकार ने 35 करोड़ का हिस्सा स्वीकृत किया है. सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के जरिए इन परियोजनाओं को मंजूरी मिल गई है और कहा जा रहा है कि इससे शहर को एक अलग पहचान मिलेगी.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

स्वास्थ्य विभाग के दावे हवा हवाई

उत्तराखंड के हल्द्वानी की एक घटना से यह साफ है कि व्यवस्था के स्तर पर अस्पतालों का प्रबंधन या तो घोर लापरवाही बरतता या फिर जानबूझ कर अनदेखी करता है। दूसरी ओर, अस्पताल से बाहर एक ऐसा तंत्र खड़ा होता है, जिसे इस बात से कोई मतलब नहीं कि किसी पीड़ित के सिर पर दुख का कैसा पहाड़ टूट पड़ा है और वह किस स्तर के अभाव की मार से जूझ रहा है। गौरतलब है कि हल्द्वानी में एक युवक की तबीयत खराब हुई और इसके बाद राजकीय मेडिकल कालेज में उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसकी बहन के सामने अब शव ले जाने की चुनौती थी और शवगृह से बाहर खड़े एंबुलेंस वालों ने दस-बारह हजार रुपए की मांग की। किराया कम करने के लिए काफी विनती के बाद भी कोई तैयार नहीं हुआ। आखिर महिला को अपने भाई के शव को एक वाहन की छत पर सामान की तरह बांध कर अपने गांव ले जाना पड़ा।

अस्पताल प्रशासन की व्यवस्था पूरी तरह लचर

मामले के संज्ञान में आने के बाद जब जांच की बात आई तो अस्पताल प्रशासन ने लचर सफाई दी कि यह अस्पताल से बाहर का मामला था। सवाल है कि अस्पताल में किसी की मौत के बाद शव ले जाने का इंतजाम उसकी जिम्मेदारी में शामिल क्यों नहीं है। उपेक्षा के शिकार गरीब लोग अपनी जरूरत की बात कहने में भी किस हद तक सिमटे होते हैं, यह छिपी बात नहीं है।

संवेदनहीनता की सारी हदों को पार करने वाली ऐसी घटनाएं यही बताती हैं कि व्यवस्था के स्तर पर स्वास्थ्य महकमे के दावे महज हवा-हवाई हैं, वहीं आम जिंदगी में लोग सबसे नाजुक मौकों पर भी मुनाफे के लालच में क्रूर हो जा रहे हैं। ऐसी स्थितियों की पीड़ा उन्हें शायद तभी समझ में आएगी, जब इस तरह के अभाव और दुख का सामना खुद उन्हें करना पड़ेगा।

देश भर में पिछले कुछ वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए तमाम उपाय किए जाने से लेकर अलग-अलग योजनाओं के तहत समाज के सबसे कमजोर तबकों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने के दावे किए जा रहे हैं। इन दावों की हकीकत अक्सर उजागर होती रही है, जब किसी गरीब परिवार को जरूरत पड़ने पर अस्पताल जाना पड़ता है।

असद के पतन का अंतरराष्ट्रीय असर, सतर्क रहने की जरूरत

सीरिया में नाटकीय घटनाक्रम के तहत बशर अल-असद सरकार का पतन हो गया। वहां वर्षों से असद की शिया प्रभुत्व वाली सरकार और विभिन्न सुन्नी चरमपंथी गुटों के बीच संघर्ष जारी था, परंतु 2019 में इस्लामिक स्टेट के पतन और उसके स्वघोषित खलीफा अबु बकर अल बगदादी के मारे जाने के बाद वह सुर्खियों से बाहर था।

2015-16 में असद सरकार के समर्थन में रूसी वायुसेना के अभियान द्वारा सुन्नी चरमपंथियों के खदेड़े जाने के बाद यह तय माना जाने लगा था कि असद सरकार का पतन संभव नहीं है, परंतु गत दिवस ऐसा ही हुआ। पिछले 11-12 दिनों में सुन्नी चरमपंथी गुट हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) के अभियान ने एकाएक तेजी पकड़ी और सीरिया की फौज बिना लड़े ही पीछे हटती चली गई और अंततः बशर अल असद को देश छोड़कर रूस जाना पड़ा। इस बार रूस और ईरान, दोनों ने असद सरकार के समर्थन में हस्तक्षेप से परहेज किया।

असद सरकार यूक्रेन से लेकर फलस्तीन तक बिछी भू राजनीतिक शतरंज की बिसात पर बलि का बकरा बन गई। ईरान ने असद को बचाने के लिए कोई बड़ा कदम इसलिए नहीं उठाया, क्योंकि उसे खुद पर इजरायली और अमेरिकी हमले का अंदेशा है। वह अपने सीमित सैन्य और आर्थिक संसाधनों को सहेज कर रखना चाहता है।

इसी तरह डोनाल्ड ट्रंप के चलते रूस अपने सैन्य संसाधनों को यूक्रेन मोर्चे पर केंद्रित रखना चाहता है, ताकि वहां अधिक से अधिक भूमि पर कब्जा कर सके और संघर्ष विराम की स्थिति में उसके कब्जे वाला भूभाग उसके पास ही रहे। ईरान और रूस के इस रवैये से सबसे बड़ा लाभ

इजरायल और तुर्किये को हुआ।

हमास और हिजबुल्ला के कमजोर पड़ने के बाद असद सरकार का पतन ईरान के नेतृत्व वाले शिया गठजोड़ के लिए एक बड़ा झटका है और हाल-फिलहाल इजरायल के लिए बड़ी तात्कालिक सफलता। असद सरकार के पतन के तुरंत बाद इजरायली सेनाओं ने गोलान की पहाड़ियों से आगे बढ़कर सीरिया के अंदर आपरेशन प्रारंभ कर दिया है।

इसका उद्देश्य इजरायल की सीमाओं का विस्तार, एक बफर जोन का निर्माण और सीरिया की सैन्य क्षमता को कुंद करना है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि सीरियाई सेना के लड़ने से मना कर देने के पीछे कहीं इजरायल और उसके समर्थक पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियों का हाथ तो नहीं? इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने असद सरकार के पतन को ऐतिहासिक अवसर बताया, परंतु साथ ही चेताया भी कि इस घटनाक्रम के भयावह परिणाम हो सकते हैं।

नेतन्याहू ऐसा कहने के लिए इसलिए मजबूर हैं, क्योंकि जिस एचटीएस को पश्चिमी मीडिया सीरिया का विद्रोही संगठन बता रहा है, उसमें अलकायदा और इस्लामिक स्टेट के पूर्व आतंकी भरे पड़े हैं। सीरिया पर काबिज तत्व फिलहाल भले ही इजरायल के काम आए हों, पर वे अपना असली रंग दिखा सकते हैं।

अफगानिस्तान में सोवियत संघ की हार के बाद अमेरिका के पाले-पोसे ओसामा बिन लादेन ने ऐसा ही किया था। एचटीएस का असली आका कोई और नहीं, बल्कि तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन हैं, ठीक वैसे ही जैसे जैश और लश्कर का पाकिस्तान है। एर्दोगन एचटीएस के माध्यम से सीरिया पर शासन का वैसा ही सपना देख रहे हैं, जैसा पाकिस्तान के जनरल तालिबान के जरिये अफगानिस्तान को लेकर देखा करते थे। प्रथम विश्व युद्ध में तुर्किये की हार से पहले तक सीरिया के विभिन्न इलाके आटोमन तुर्क साम्राज्य का हिस्सा हुआ करते थे। सऊदी अरब भी उस साम्राज्य का हिस्सा था। आज के सीरिया और इराक जैसे देशों की सीमाएं प्रथम विश्व युद्ध के विजेता देशों फ्रांस और ब्रिटेन ने अपने मनमुताबिक खींची थीं। एर्दोगन उसी ओटोमन साम्राज्य की पुनर्स्थापना का सपना देख रहे हैं। वह सीरिया पर काबिज हुए तत्वों का उपयोग कुर्दों को ठिकाने लगाने में कर सकते हैं, जो सीरिया के एक हिस्से पर काबिज हैं और तुर्किये में भी सक्रिय हैं।

सीरिया का तुर्किये समर्थित लड़ाकों के हाथ में जाना कतर-तुर्किये गैस पाइपलाइन के प्रस्ताव को नया जीवन दे सकता है, जिसके जरिये कतर और सऊदी अरब की गैस सीरिया और तुर्किये से होकर यूरोप पहुंच सकती है और यूरोप की रूस पर ऊर्जा निर्भरता घट सकती है। ऐसे में बहुत संभव है कि रूस और ईरान सीरिया में अपने खुफिया अभियानों का दायरा बढ़ाएं और जैसे अमेरिका, तुर्किये और इजरायल ने अपने-अपने हितों के लिए चरमपंथी गुटों का उपयोग किया, वैसे ही रूस भी अपने मतलब के चरमपंथियों को बढ़ावा दे।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

समय हमारी सबसे कीमती वस्तु है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

13 साल पहले भी हुआ था विद्रोह

पिछले कुछ वर्षों में तानाशाह शासकों के खिलाफ विद्रोह और तख्तापलट की कई घटनाएं हो चुकी हैं। श्रीलंका और बांग्लादेश में भी कुशासन के विरुद्ध जनआक्रोश फूटा और सत्ता परिवर्तन हो गया। सीरिया इसका ताजा उदाहरण है, जहां विद्रोही गुटों ने बशर अल-असद का तख्तापलट कर दिया। पिछले ग्यारह दिनों के संघर्ष के बाद विद्रोही गुटों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया। हालांकि असद सरकार के दमनकारी रवैये, कुशासन और तानाशाही के खिलाफ लोग काफी समय से नाराज थे।

करीब तेरह वर्ष पहले असद को सत्ता से हटाने की मांग के साथ वहां जनआंदोलन उभरा था। मगर असद उस विद्रोह को दबाने में कामयाब रहे थे। इस बार सीरियाई सेना ने एक तरह से आत्मसमर्पण कर दिया और बिना किसी खून-खराबे के विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम यानी एचटीएस ने आसानी से दमिश्क पर कब्जा कर लिया। सीरिया में विद्रोह की चिंगारी तभी फूटी थी, जब कई अरब देशों में तानाशाहों के खिलाफ जनाक्रोश भड़का था, जिसे 'अरब स्प्रिंग' कहा जाता है। अब सीरिया में तख्तापलट का बड़ा कारण रूस और ईरान का मदद से हाथ खींच लेना माना जा रहा है।

हालांकि सीरिया में विद्रोही गुट की कामयाबी पर एक बड़े हिस्से में खुशी जताई जा रही है। भारत ने भी वहां शांतिपूर्ण और समावेशी प्रक्रिया के तहत सत्ता हस्तांतरण की उम्मीद जताई है। पर यह सवाल अपनी जगह है कि क्या वास्तव में सीरिया में लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। इसके पहले तानाशाही से मुक्त हुए लीबिया, अफगानिस्तान आदि

देशों का उदाहरण सामने है, जहां तख्तापलट के बाद भी स्थितियां बेहतर होने के बजाय बदतर ही होती देखी गई हैं।

सीरिया में भी विद्रोही गुट की कमान कट्टरपंथियों के हाथ में है, जो अल-कायदा से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा, वहां कई देशों और अलगाववादियों के अपने स्वार्थ हैं। ईरान और रूस सीरिया के साथ इसलिए बने हुए थे कि सीरिया रणनीतिक रूप से मध्यपूर्व का एक महत्त्वपूर्ण देश है। ईरान को हमास और हिजबुल्ला जैसे चरमपंथी संगठनों के लिए साजो-सामान जमा करने के लिए सीरिया सबसे उपयुक्त जगह है।

रूस का स्वार्थ तेल और मध्यपूर्व में अमेरिकी दबदबा रोकने को लेकर जुड़ा है। इसके अलावा, कुर्दिस्तान की मांग को लेकर कुर्द विद्रोहियों के अपने समीकरण हैं। एचटीएस में शामिल विद्रोही गुटों के भी अपने-अपने स्वार्थ हैं। इस तरह सत्ता हस्तांतरण के बाद वहां लोकतांत्रिक सरकार बन सकेगी और आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए समावेशी नीतियां बन सकेंगी, कहना मुश्किल है।

दुनिया में कहीं भी लोग तानाशाही पसंद नहीं करते। सीरिया में असद और उनके पिता की तानाशाही और दमन से लोग परेशान थे। इस दृष्टि से लोगों में लोकशाही की उम्मीद स्वाभाविक है। मगर एचटीएस से जुड़े विद्रोही संगठनों का जैसा कट्टरपंथी रुझान रहा है, उसे देखते हुए अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि सीरिया में सत्ता का स्वरूप कैसा होगा। अगर वहां भी लीबिया और अफागानिस्तान जैसे हालात बन गए, तो वह असद की तानाशाही से बुरी स्थिति होगी।

आम नागरिकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। तुर्किए और ईरान जैसे देश उसे अपने मोहरे के तैर पर इस्तेमाल करते रहेंगे और तख्तापलट का असल मकसद कहीं गुम हो जाएगा। इससे दूसरे देशों के साथ संबंधों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहेगी। भारत के साथ उसके संबंध भी इन प्रभावों से मुक्त नहीं माने जा सकते।

रातों-रात करोड़पति बना सकता है ये कीड़ा

जरा हट के

दुनियाभर में कई ऐसे जानवर हैं, जो इंसानों के लिए भी खतरनाक हैं. लेकिन कई जीव ऐसे भी हैं, जो हमारे बेहद काम के होते हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे कीड़े के बारे में बताने जा रहे हैं, जो किसी को भी रातों-रात करोड़पति बना सकता है. ऐसे में अगर ये कीड़ा आपकी आंखों के सामने आ जाए, तो पकड़ने में देर बिल्कुल न करें. इस कीड़े की बनावट भी अजीब होती है. अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये कीड़ा है कौन सा? तो आपको बता दें कि इसका नाम स्टैग बीटल्स है, जिसे दुनिया के सबसे महंगे कीड़ों में से एक माना जाता है. इसकी कीमत आमतौर पर 75 लाख तक होती है, लेकिन आसानी से करोड़ों में भी बिक सकते हैं. सुनने में यह अजीब लगता है, लेकिन यह बिलकुल सच है कि दुनिया भर में लोग इस बीटल को पालने के लिए बहुत ज़्यादा पैसे खर्च करने को

तैयार हैं. ऐसे में सवाल यह उठता है कि इस छोटे से स्टैग बीटल में ऐसा क्या खास है, जो इसे महंगा कीड़ा बनाता है. ऐसे में बता दें कि इसका इस्तेमाल औषधीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है. साथ ही इन्हें सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता है, जिसकी वजह से इनकी कीमत बहुत ज्यादा है. अब आप सोच सकते हैं कि अगर आपको ये एक कीड़ा मिल जाए तो उसमें आसानी से ऑडी या बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी कार भी खरीदी जा सकती है. यह कीट सिर्फ़ दो से तीन इंच का होता है, लेकिन इसे खरीदने वाले भी दिलदार होते हैं. वे किसी भी सूरत में इस कीड़े को अपने पास रखना चाहते हैं. बदले में वे अपनी जेबें भी ढीली करवाने को तैयार रहते हैं. बताया जाता है कि ये काफी दुर्लभ और असाधारण रूप से अनोखे होते हैं. इसका नाम नर कीड़े पर पाए जाने वाले विशिष्ट जबड़े से लिया गया है, जो हिरण के सींग जैसा दिखता है. ये आमतौर पर उन तरल पदार्थों को खाते और पीते हैं, जो पेड़ के रस की तरह मीठे होते हैं. ये सड़े हुए फलों से भी तरल पदार्थ ग्रहण करते हैं.

चाय के साथ कभी नहीं खाना चाहिए ये पांच चीजें

■ पेट की समस्या कर देगी परेशान

भारत में चाय सामान्य पेय है जो अधिकतर लोग पीना पसंद करते हैं। लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं। वहीं सर्दियों में गर्मागर्म चाय का स्वाद ही अलग लगता है। ये शरीर को गर्माहट देती है और थकान को कम करती है।हालांकि चाय का सेवन सही तरीके से करना चाहिए। चाय से सेहत को नुकसान भी हो सकता है। जैसे दूध की चाय पेट के लिए समस्या करती है। चाय में चीनी की मात्रा भी कम रखें। चाय को अधिक उबालकर काढ़ा न बनाएं। इसके अलावा चाय पीने का सही समय सुबह उठने के दो घंटे के बाद या नाश्ते के एक घंटे बाद है।

चाय के सही तरीके से सेवन के साथ कुछ चीजों के साथ खाना चाहिए। दूध वाली चाय पीने से आपको पेट में एसिडिटी, एसिड बनने, अपच और भूख न लगने की समस्या हो सकती है। चाय के साथ कुछ चीजों का सेवन भूल से भी नहीं करना चाहिए। कुछ चीजों को चाय के साथ खाने से अपच, गैस की समस्या हो सकती है, साथ ही कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की यह वजह बन सकती है। आइए जानते हैं चाय के साथ किन चीजों का सेवन नहीं किया जाना चाहिए।

■ खट्टे फलों का सेवन

नींबू, संतरा, अंगूर आदि फल चाय के साथ कभी न खाएं। चाय में मौजूद टैनिन और खट्टी चीजों में मौजूद सिट्रिक एसिड मिलकर पेट में एसिडिटी बढ़ा देते हैं। इससे सीने में जलन, अपच और आंतों में परेशानी हो सकती है। चाय के साथ फ्रूट चाट न खाएं।

■ दही का सेवन

चाय गर्म होती है जबकि दही ठंडा होता है। इन दोनों का सेवन

करने से पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। चाय में मौजूद टैनिन कंपाउंड और दही में मौजूद लैक्टिक एसिड के बीच प्रतिक्रिया होने से पेट में दर्द हो सकता है। गर्म और ठंडी चीजों के एक साथ सेवन से मेटाबॉलिक सिस्टम में असंतुलन हो सकता है।

■ मसालेदार स्नैक्स

भारत में चाय के साथ अक्सर लोग पकौड़े या समोसे जैसे मसालेदार, तला भुना नाश्ता करना पसंद करते हैं। चाय में मौजूद टैनिन पेट की परत को परेशान करता है। वहीं मसालेदार स्नैक्स में कैप्साइसिन मौजूद होता है जिसके साथ चाय के मिलने पर पेट में एसिडिटी, अपच और सीने में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। चाय के साथ नमकीन चीजों के सेवन से ब्लोटिंग हो सकती है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

■ हल्दी का सेवन

चाय के साथ हल्दी या हल्दी वाला भोजन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से पेट में गैस, कब्ज,पसीना आना, चक्कर जैसी परेशानी आ सकती हैं। चाय में मौजूद कैफीन ऊर्जा देता है जबकि हल्दी गर्म करने वाली होती है। दोनों के साथ में सेवन से शरीर में ज्यादा गर्मी आ सकती है।

■ चाय और अंडा

चाय में मौजूद टैनिक एसिड अंडे में पाए जाने वाले प्रोटीन को बांध देता है। जिससे शरीर उसे अवशोषित नहीं कर पाता। इससे प्रोटीन की कमी हो सकती है और कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। चाय से पाचन प्रभावित होता है और पेट में दर्द,कब्ज, गैस, अपच, सूजन, ब्लोटिंग और सीने में जलन जैसी समस्या हो सकती है।

राजस्थानी प्याज की कढ़ी

खाना-खजाना

कढ़ी की तासीर गर्म होती है, सर्दियों में इसका सेवन आपको सेहत से जुड़े कई फायदे दे सकता है। भारतीय घरों में कढ़ी को कई तरह से बनाकर खाया जाता है, लेकिन राजस्थानी प्याज की कढ़ी का स्वाद बाकी कढ़ी से बिल्कुल अलग है।

सामग्री

- 1 कप दही
- 2 बड़े चम्मच बेसन
- 1 प्याज
- 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 छोटा चम्मच राई
- 2 छोटे चम्मच मेथी दाना
- 1 चुटकी हींग
- 1 बड़ा चम्मच घी

तड़के के लिए

- 1 छोटा चम्मच जीरा
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1 छोटा चम्मच खड़ा धनिया
- 1 साबुत लाल मिर्च
- 15 कढ़ी पत्ता

बनाने का तरीका

राजस्थानी प्याज की कढ़ी बनाने के लिए सबसे पहले एक

बर्तन में दही डालकर उसे अच्छी तरह फेंट लें। इसके बाद दही में बेसन, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और जरूरत अनुसार पानी मिलाकर सभी चीजों से घोल तैयार कर लें। अब एक कड़ाही में घी गर्म करके उसमें राई, मेथी दाना डालकर हींग और प्याज डालकर पकाएं। प्याज को तब तक पकाएं जब तक वह नरम न हो जाए। इसके बाद कड़ाही में कढ़ी का मिश्रण डालकर जरूरत अनुसार पानी डालें। अब कढ़ी को धीमी आंच पर पकने दें। अब कढ़ी में स्वाद अनुसार नमक डालकर 15 मिनट पकने दें। अब गैस बंद कर दें। इसके बाद कढ़ी में तड़का लगाने के लिए एक छोटी कड़ाही में घी गर्म करके उसमें जीरा, साबुत धनिया, कढ़ी पत्ता, साबुत लाल मिर्च डालकर 10 सेकंड तक तड़का तैयार होने दें। इसके बाद गैस बंद करके तड़के को कढ़ी में डाल दें। आपकी टेस्टी राजस्थानी प्याज की कढ़ी बनकर तैयार है। आप इसे रोटी-चावल दोनों के साथ सर्व कर सकती हैं।

बड़े कमाल की है ये ट्रिक!

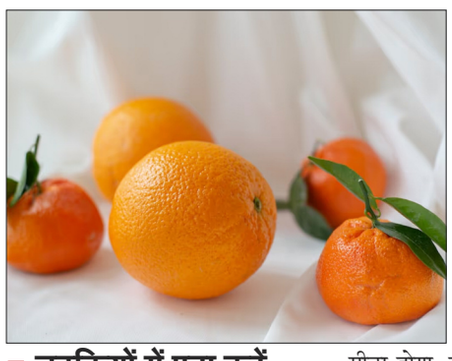

- चुटकियों में पता करें संतरा मीठा है या नहीं
- बाजार में खरीदते समय नहीं होगी टेंशन

क्योंकि वह सड़ा हुआ हो सकता है और स्वाद में खट्टा हो सकता है.

आप संतरे की खुशबू से भी उसकी मिठास का अनुमान लगा सकते हैं. संतरे के छिलके को हल्का सा रगड़ें और उसकी खुशबू को महसूस करें. अगर खुशबू में मीठापन हो, तो समझें कि यह संतरा स्वाद में भी मीठा होगा. खट्टे संतरे में ताजगी और मिठास की कमी होती है, जबकि मीठे संतरे में यह तत्व अधिक होते हैं.

फल विक्रेता अशोक कुमार ने बताया कि नागपुरी संतरे लाते हैं, जो दिखने में हरे और पीले होते हैं. यह संतरा दिखने में थोड़ा अलग होता है, लेकिन इसमें बहुत अधिक रस और मिठास होती है. इन्हें खरीदने पर आपको स्वादिष्ट संतरे का अनुभव होगा.

संतरे का आकार भी महत्वपूर्ण होता है. छोटे आकार के संतरे अक्सर खट्टे होते हैं, जबकि बड़े संतरे आम तौर पर ज्यादा रसीले और मीठे होते हैं. इसलिए हमेशा बड़े आकार के संतरे खरीदें, जो मीठे और जूसी होते हैं.इन सभी टिप्स को ध्यान में रखकर आप आसानी से मीठे और रसीले संतरे चुन सकते हैं. अगली बार जब आप बाजार जाएं, तो इन टिप्स का पालन करें और संतरे का पूरा मजा लें.

जब भी संतरा खरीदें, उसे हाथ में उठाकर जरूर चेक करें. अगर संतरा हल्का लगे तो समझें कि वह जूसी नहीं है, क्योंकि हल्के संतरे में पानी की मात्रा कम होती है और वह खट्टे हो सकते हैं. वहीं, अगर संतरा भारी लगता है, तो वह ज्यादा रसीला और मीठा होता है, क्योंकि ऐसे संतरे में पानी अधिक होता है और वह खाने में मीठे होते हैं.

अगर संतरे की त्वचा पर उभार या हल्का रुखड़ा दिखे, तो यह ताजे और मीठे संतरे का संकेत हो सकता है. ऐसे संतरे खाने में स्वादिष्ट होते हैं. वहीं, अगर संतरा पिलपिला हो या इसकी त्वचा में कोई नुकसान हो, तो उसे न लें.

घर में कैसे उगाएं मशरूम?

घर में मशरूम उगाना एक सरल तरीका है. आप इसे घर पर आसानी से उगा सकते हैं. मशरूम एक पौधा नहीं है, बल्कि यह एक फंगी है. मशरूम उगाने के लिए सबसे पहले आपको यह तय करना होगी कि किस प्रकार का मशरूम आसानी से उगाया जा सकता है. ऑयस्टर और पोर्टोबेलो मशरूम को ही घर के गार्डन में आसानी से उगाया जा सकता है.

मशरूम उगाने के लिए आपको कुछ विशेष सामग्री की आवश्यकता होगी:

– मशरूम स्पॉर : यह मशरूम की बीज जैसा होता है और इसमें मशरूम के बीज होते हैं, जिन्हें आप ऑनलाइन या कृषि उत्पादों की दुकानों से खरीद सकते हैं.

– मशरूम के लिए सब्सट्रेट : यह वह सामग्री होती है, जिसमें मशरूम की बीज बोए जाते हैं. मशरूम के लिए सब्सट्रेट के रूप में चूरा, भूसा, और कॉम्पोस्ट (खाद) का उपयोग किया जाता है.

– प्लास्टिक बैग या कंटेनर: मशरूम के लिए उपयुक्त कंटेनर, जिसमें स्पॉन और सब्सट्रेट को रखा जा सके.

– पानी और नमी: मशरूम को बढ़ने के लिए नमी की आवश्यकता होती है.

आवश्यकता होती है. आप इसे अपने घर के किसी अंधेरे कोने में रख सकते हैं, जैसे कि अलमारी, बेसमेंट या गेराज. ideal temperature 18-24°C होता है. मशरूम को नमी की जरूरत होती है,

इसलिए आपको इसे नियमित रूप से पानी देना होगा. आप पानी को स्प्रे की बोतल में डालकर हलके से स्प्रे कर सकते हैं. इसके बीज को मिट्टी में रखें इसके बाद यह आपको एक सप्ताह के भीतर अंकुरित दिखना शुरू हो जाएगा. 2-3 हफ्तों में मशरूम के छोटे-छोटे फंगस दिखने लगेंगे. आप देख सकते हैं कि यह धीरे-धीरे आकार में बढ़ने लगते हैं. इसे रोशनी से दूर रखें, क्योंकि मशरूम को बढ़ने के लिए अंधेरे और नमी वाले वातावरण की आवश्यकता होती है.

– स्पॉन्स और सब्सट्रेट का मिश्रण बनाएं. सबसे पहले, आप एक उपयुक्त कंटेनर या प्लास्टिक बैग लें.

अब, इसमें कॉम्पोस्ट या चूरा जैसे उपयुक्त सामग्री भरें.

– ध्यान रखें कि यह सामग्री साफ हो और उसमें कोई कीटाणु या गंदगी न हो. इसके बाद, मशरूम स्पॉन (बीज) को इस मिश्रण में मिला लें.

मशरूम को उगाने के लिए ठंडी और नमी वाली जगह की

आज का राशिफल

मेष : आज स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी।

वृषभ : आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा।

मिथुन : जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह : कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या : मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है।

तुला : दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। वस्तु गुम हो सकती है।

धनु : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम के कार्य टालें।

मकर : विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा।

कुंभ : समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें।

मीन : आज लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लिंग निर्धारण रिपोर्ट से रेप का दोषी साबित हुआ किन्नर, ढाई साल से कर रहा था गुमराह

बरेली. बरेली के मीरगंज में करीब ढाई साल पहले सात साल की बच्ची से हुए दुष्कर्म के मामले में आरोपी किन्नर फरीन ने सुनवाई के दौरान कोर्ट को गुमराह करने की पूरी कोशिश की लेकिन एजीपीजीआई की रिपोर्ट ने पूरे मामले को खोल दिया। सुनवाई के दौरान 27 सितंबर 2024 को एसजीपीजीआई में आरोपी की लिंग निर्धारण परीक्षण रिपोर्ट में वह पुरुष किन्नर निकला। उसमें एक्स-वाई क्रोमोसोम होने की बात भी सामने आई। कोर्ट ने धारा 506 और पॉक्सो एक्ट की धारा 06 के तहत दोषी को 20 साल की सजा सुनाई। दरअसल, पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जब बच्ची का मेडिकल कराया था तो उसमें रेप की पुष्टि हुई थी।

यूपी में एक और बड़ा हादसा, मैजिक को टक्कर मार पलटा डंपर, कई बच्चों समेत छह की मौत

हाथरस. यूपी में एक और बड़ा हादसा हुआ है। हाथरस में डंपर ने टाटा मैजिक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें कई बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। आठ लोग घायल हैं। मैजिक को टक्कर मारने के बाद ट्रक भी पलट गया। घायलों में कई की हालत गंभीर है। आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। सीएम योगी ने खुद घटना का संज्ञान लिया है। मृतकों के प्रति संवेदना जताने के साथ ही अधिकारियों को राहत कार्य में लगने का निर्देश दिया है। घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने का भी आदेश दिया है। ताकि मृतकों की संख्या न बढ़े। घटना कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के सलेमपुर के निकट हुआ है।

झांसी में डबल मर्डर: घर में घुसकर पड़ोसी ने पति-पत्नी को तलवार से काटा, पुलिस ने दबोचा

झांसी. यूपी के झांसी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां मंगलवार सुबह एक शख्स घर में घुसकर पति-पत्नी पर ताबड़तोड़ तलवार से वार दोनों को मौत के घाट उतार दिया। रास्ते में ही खून से सने हथियार देख पुलिस ने उसे दबोच लिया। उधर, गांव में डबल मर्डर से हड़कंप मच गया। ये घटना टोड़ी फतेहपुर थाना क्षेत्र स्थित कुटोरा गांव का है। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे दूध बेचकर घर पहुंचे 40 के साल पुष्पेंद्र घोष पर पड़ोसी काशी प्रसाद ने तलवार से हमला बोल दिया। वह पुष्पेंद्र पर तलवार से तब तक वार करता रहा तब तक उसकी मौत नहीं हो गई। चीखने-चिल्लाने पर उसकी पत्नी संगीता बचाने आई तो उस पर भी काशी प्रसाद ने वार करने शुरू कर दिए।

यूपी-राजस्थान समेत 10 राज्यों में शीतलहर

- बिहार, झारखंड और बंगाल में छाया घना कोहरा
- बर्फ से ढंके केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम

नई दिल्ली. हिमालय के ऊपरी इलाकों में शुरू हुई बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों तक पहुंच गया है। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पिछले 4 दिन से हो रही बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है।

मंगलवार को बर्फीली हवाओं के असर से सौराष्ट्र, कच्छ, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड में शीतलहर चल रही है।

वहीं, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में घना कोहरा छाया हुआ है।

सोमवार को श्रीनगर में इस मौसम का सबसे कम तापमान -5.4°दर्ज किया गया, जबकि सोनमर्ग -9.7°के साथ सबसे ठंडा रहा। गुलमर्ग में पारा -9.0° सेल्सियस दर्ज किया गया।

उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में सोमवार को सीजन की पहली बर्फबारी हुई। इसके बाद राज्य सकरार ने दोनों जगह चल रहे विकास कार्य रोक दिए हैं। इधर दक्षिण भारत में एक बार फिर बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक में आज तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

कड़ाके की ठंड की चपेट में हिमाचल जमने लगा पाइप लाइनों का पानी

दिल्ली में हवा की क्वालिटी अब भी खराब

राजधानी में हवा की गुणवत्ता मंगलवार को खराब कैटेगरी में रही। दिल्ली में मंगलवार सुबह 7 बजे न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, शहर के कुछ हिस्सों में धुंध की एक पतली परत छा गई, जिससे विजिबिलिटी कम हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सुबह 8 बजे AQI 224 था। सुप्रीम कोर्ट ने हवा में सुधार के बाद GRAP 4 हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन GRAP 2 और GRAP 1 पूरे NCR में लागू है।

मेहुल चोकसी की 2565 करोड़ की संपत्ति होगी नीलाम

- पीड़ितों को मिलेंगे पैसे
- कोर्ट का फैसला

मुंबई. पीएनबी घोटाला मामले में मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी की 2565 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति को बेचने की अनुमति दे दी है। मेहुल चोकसी की संपत्ति बेचकर घोटाले से प्रभावित हुए लोगों को पैसा वापस किया जाएगा। ईडी लंबे समय से कोर्ट में यह प्रयास कर रही थी। मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के दौरान ईडी ने महुल चोकसी की संपत्ति सीज कर दी थी।

प्रभावित बैंकों और ईडी की याचिका पर कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। अब तक गीतांजलि जेम्स लिमिटेड से जुड़ी कई संपत्तियों को बेचकर 125 करोड़ रुपये लोगों को वापस भी किए जा चुके हैं। इसमें मुंबई के फ्लैट, दो फैक्ट्रियां और गोदाम शामिल थे। चोकसी और उसका भांजा नीरव मोदी 2018 में सामने आए पीएनबी घोटाले के मुख्य आरोपी हैं।

भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम के अनुसार कोई भी व्यक्ति जिसके खिलाफ भारत की किसी अदालत द्वारा सूचीबद्ध अपराध पर वारंट जारी किया गया है और वह ₹आपराधिक अभियोजन से बचने के लिए देश छोड़ चुका है या विदेश में रहते हुए, आपराधिक अभियोजन का सामना करने के लिए देश लौटने से इनकार करता है तो उसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा सकता है।

चोकसी और उसके भांजे नीरव मोदी को ईडी और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पीएनबी के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलीभगत करके 13,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में वांछित माना जा रहा है। नीरव मोदी को पहले ही भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है और वह 2019 से लंदन की जेल में है।

कर्नाटक के पूर्व CM कृष्णा का निधन

- बेंगलुरु को IT हब बनाया
- मनमोहन ने कहा था- 2004 में वह मेरी जगह PM बन सकते थे

हैदराबाद. पूर्व विदेश मंत्री और कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे एसएम कृष्णा का सोमवार देर रात करीब 2:45 बजे निधन हो गया। वे 92 साल के थे। कृष्णा ने बेंगलुरु में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वे उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। कर्नाटक सरकार ने पूर्व CM के निधन पर 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया है।

डिप्टी CM डीके शिवकुमार ने मंगलवार को बताया कि कल सुबह 8 बजे एसएम कृष्णा का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव मददुर ले जाया जाएगा। वहां लोग दोपहर 3 बजे तक अंतिम दर्शन कर सकेंगे। शाम 4 बजे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कर्नाटक के CM रहते हुए उन्होंने बेंगलुरु को IT इंडस्ट्री के रूप में विकसित करने की एक मजबूत नींव रखी और इंटरनेशनल लेवल पर 'ब्रांड बेंगलुरु' बनाने में कामयाब रहे। एक निर्दलीय विधायक से अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले कृष्णा 2004 में देश के प्रधानमंत्री बन सकते थे। यह बात खुद पूर्व PM मनमोहन सिंह ने अपने एक साथी अर्थशास्त्री को बताई थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- सरकार कब तक मुफ्त राशन बांटेगी?

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने 9 दिसंबर को केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा- कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा। सरकार रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रही?

केंद्र ने अदालत को बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन दिया जा रहा है। बेंच ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, इसका मतलब है कि केवल करदाता ही इससे बाहर हैं। जस्टिस सूर्यकांत

और जस्टिस मनमोहन की बेंच ई-श्रम पोर्टल के तहत पात्र पाए गए प्रवासी श्रमिकों और अकुशल मजदूरों को मुफ्त राशन कार्ड दिए जाने से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। यह पूरा मामला राशन कार्ड से जुड़ा है। एक NGO की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण की मांग है कि ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड सभी प्रवासी श्रमिकों को मुफ्त राशन प्रदान करने के लिए निर्देश जारी किए जाएं।

इस मामले की अब तक जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ सुनवाई कर रही थी। बेंच ने 4 अक्टूबर को आदेश दिया कि ₹ऐसे सभी व्यक्ति जो पात्र हैं (एनएफएसए के अनुसार राशन कार्ड/खाद्यान्न के लिए पात्र) और संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा उनकी पहचान की गई है, उन्हें 19 नवंबर से पहले राशन कार्ड जारी किए जाने चाहिए।

फतेहपुर में 185 साल पुरानी मस्जिद पर चला बुलडोजर

- हाईवे के रास्ते में थी
- 25000 लोग नजरबंद
- 500 मीटर एरिया सील
- ड्रोन से निगरानी की

फतेहपुर. यूपी के फतेहपुर में 185 साल पुरानी नूरी मस्जिद का अतिक्रमण ढहाया गया। हाईवे के चौड़ीकरण को लेकर 5 बुलडोजर ने करीब 7 घंटे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान नूरी मस्जिद का कुछ हिस्सा भी तोड़ा गया।

सुबह 8 बजे शुरू हुई कार्रवाई दोपहर करीब 3 बजे तक चली। इसके बाद अतिक्रमण के मलबे को हटवाया गया। बांदा-कानपुर मार्ग को करीब 6 घंटे के बाद फिर से चालू किया गया। मौके पर DSP समेत कई थानों की फोर्स तैनात रही। RAF की टीम भी पहुंच गई है।

इस दौरान ललौली कस्बे के 25000 लोगों को हाउस अरेस्ट किया गया। 500 मीटर एरिया को सील कर दिया गया। किसी को आने-जाने की इजाजत नहीं दी गई। ड्रोन कैमरे से इलाके की निगरानी की गई। हालांकि अब प्रशासन की कार्रवाई खत्म हो गई है।

क्यों ढहाया जा रहा मस्जिद का हिस्सा?

फतेहपुर के बिंदकी से बांदा तक बांदा-बहराइच हाईवे का चौड़ीकरण होना है। नूरी मस्जिद भी हाईवे के रास्ते में आती है। PWD ने 17 अगस्त को मस्जिद कमेटी को नोटिस भेजा था। कमेटी ने अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए 1 महीने का समय मांगा था, लेकिन कमेटी ने अतिक्रमण नहीं हटवाया। इसके बजाय मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसमें कहा कि मस्जिद 1839 में बनी थी। हमने कोई अतिक्रमण नहीं किया है। इस केस पर 6 दिसंबर को सुनवाई होनी थी, लेकिन सुनवाई टल गई। अब 13 दिसंबर को सुनवाई होगी।

अब लालू बोले- INDIA ब्लॉक का नेतृत्व ममता करें

- कांग्रेस के विरोध का कोई मतलब नहीं
- बंगाल CM बोली थीं- मैं अगुआई को तैयार

पटना. इंडी गठबंधन में नेतृत्व को लेकर विवाद छिड़ा है। अब RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने ममता बनर्जी का साथ दिया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा- 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता चुना जाना चाहिए। कांग्रेस के

विरोध का कोई मतलब नहीं है। ममता को ही नेता बनाया जाना चाहिए।' इससे पहले लालू के बेटे और बिहार के नेता प्रतिपक्ष भी ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सहमति जता चुके हैं। इधर, बिहार के कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा कि 'कांग्रेस पार्टी एक अखिल भारतीय पार्टी है। जो लोग इस तरह का दावा कर रहे हैं कि बिहार, यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वजूद नहीं है, वह पूरी तरह से बेतुका है। अगर आप सिर्फ एक राज्य में मजबूत हैं तो उसके आधार पर आप दूसरे दल पर सवाल खड़ा नहीं सकते। हर किसी की महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन उसे कंट्रोल में रखना चाहिए।'

वहीं, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और शरद पवार के बीच आज बैठक होनी है। इस दौरान भी इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर चर्चा हो सकती है।

जो लोग पूंजीपति की शादी में गए वही सवाल उठा रहे- कांग्रेस प्रभारी

बिहार कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा- 'पिछले दिनों देश के एक बड़े पूंजीपति के घर में शादी हुई थी, तो जो-जो लोग उस शादी में गए थे, वही लोग उनपर सवाल उठा रहे हैं जो उस शादी में नहीं गए थे। गांधी परिवार को पूरे देश के लोग स्वीकार करते हैं।' बता दें कि मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में लालू परिवार और ममता बनर्जी ने शिरकत की थी।

77 साल बाद भी अंधेरे में ग्रामीण

कौशांबी. यूपी के कौशांबी में बिजली उपकेंद्र मनौरी के सटई गांव के निवासी देश की आजादी के 77 वर्षों बाद भी बिजली को तरस रहे हैं। लंबी भागदौड़ और शिकायतों के बाद छह महीने पूर्व 14 पोल गाड़कर 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। लेकिन इन पोलों पर बिजली के तार अब तक नहीं दौड़ाए गए। इससे गांव की समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे गांव की सात सौ की आबाद में आक्रोश है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन

- दिल्ली में हाईकमीशन के बाहर हिंदू संगठनों ने मार्च निकाला; साधु-संत भी पहुंचे

नई दिल्ली. बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन चल रहा है। जम्मू-कश्मीर, नई दिल्ली, मुंबई, असम, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक समेत देश के कई राज्यों में लोग रैलियां निकाल रहे हैं।

दिल्ली में मंगलवार को बांग्लादेश हाईकमीशन के बाहर RSS समेत कई संगठनों प्रदर्शन और नारेबाजी की। सिविल सोसाइटी ने चाणक्यपुरी में विरोध मार्च निकाला। हालांकि इससे पहले बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शन का नेतृत्व साध्वी ऋतंभरा ज्योति ने किया। उनके अलावा इस्कॉन के सदस्यों ने भी कीर्तन करते हुए विरोध मार्च निकाला और हिंदुओं समेत चिन्मय दास पर हो रहे अत्याचारों पर एक्शन की मांग रखी। बांग्लादेश की 17 करोड़ आबादी में करीब 8% फीसदी हिंदू हैं। 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश के 50 से ज्यादा जिलों में हिंदुओं पर 200 से ज्यादा हिंसक हमले हो चुके हैं।

भाजपा बोली- केजरीवाल ने CM हाउस खाली नहीं किया

नई दिल्ली. दिल्ली भाजपा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास का वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने 6, फ्लैगस्टाफ रोड का बंगला अब तक खाली नहीं किया है।

भाजपा ने आरोप लगाया कि खुद को आम आदमी कहने वाले केजरीवाल ने अपने रहने के लिए 'शीशमहल' बनवाया था। केजरीवाल कहते थे कि सरकारी घर नहीं लूंगा, लेकिन रहने के लिए 7 स्टार रिजॉर्ट बना डाला। इस महल में 1.9 करोड़ रुपए से मार्बल ग्रेनाइट, लाइटिंग, 1.5 करोड़ रुपए से मरम्मत और 35 लाख रुपए से जिम और स्पा बनावाया है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल को दिल्ली के लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने किस अधिकार से अपने बंगले की सजावट में पर करीब 45 करोड़ रुपए खर्च कर दिए, जबकि कोविड में जनता के विकास कार्य ठप थे।

भाजपा के आरोप पर आम आदमी पार्टी (AAP) ने कहा कि वह मकान 1942 में बना था और बहुत खस्ता हालत में था। मकान की छतें टपकती थीं। कुछ तो गिर भी गई थीं। पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट के ऑडिट के बाद ही मकान की मरम्मत कराई गई थी।

रोहिंग्या शरणार्थियों को पानी-बिजली मुहैया कराएंगे

- फारूक अब्दुल्ला बोले- ये हमारी जिम्मेदारी, उन्हें केंद्र सरकार ने J&K में बसाया, हमने नहीं

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के प्रेसिडेंट फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि राज्य में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों को पानी और बिजली जैसी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि इन शरणार्थियों को भारत सरकार यहां लाई है। हम उन्हें यहां नहीं लाए। सरकार ने उन्हें यहां बसाया है और जब तक वे यहां हैं, ये हमारी ड्यूटी है कि उन्हें पानी और बिजली मुहैया कराएं।

दरअसल, एक दिन पहले भाजपा ने जम्मू में रोहिंग्या और बांग्लादेशी शरणार्थियों के बसाए जाने को 'राजनीतिक षड्यंत्र' बताया था। भाजपा ने कहा था कि जो लोग ऐसा होने दे रहे हैं उनकी पहचान करने के लिए CBI जांच होनी चाहिए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी की राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा ने कहा था कि राज्य में रोहिंग्या और बांग्लादेशी शरणार्थियों को पानी और बिजली का कनेक्शन इसलिए दिया जा रहा है क्योंकि वे एक विशेष समुदाय से आते हैं और राज्य सरकार इनकी रक्षा करना चाहती है।

जम्मू-कश्मीर में 13,700 विदेशी नागरिक

सरकारी डेटा के मुताबिक, जम्मू और राज्य के कई अन्य जिलों में 13,700 विदेशी नागरिक रह रहे हैं। इनमें से ज्यादातर म्यांमार से आए रोहिंग्या और बांग्लादेशी हैं। 2008 से 2016 के बीच इनकी आबादी में 6000 का इजाफा हुआ है। मार्च 2021 में पुलिस ने 270 से ज्यादा रोहिंग्या लोगों को जम्मू में अवैध रूप से रहते हुए पाया था। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इसके बाद पुलिस ने सभी को कठुआ की जेल में डाल दिया था।

मार्क टेलर ने सिराज के सेलिब्रेशन पर उठाया सवाल

- कहा-वे अंपायर के फैसले का भी इंतजार नहीं करते, साथियों को रोकना चाहिए

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर ने मोहम्मद सिराज के सेलिब्रेशन पर सवाल उठाया है। 60 साल के पूर्व कप्तान ने कहा- 'सिराज में अंपायर के फैसले का इंतजार किए बिना समय से पहले विकेट लेने का जश्न मनाने की आदत है। टीम इंडिया में उनके सीनियर साथियों को इस मसले पर सिराज से बात करनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करना बुरा लगता है।'

टेलर ने नाइन न्यूज से कहा- 'सिराज को जब लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वे अंपायर का फैसला आने से पहले ही सेलिब्रेट करने के लिए अपने साथियों की तरफ दौड़ पड़ते हैं।' भारतीय तेज गेंदबाज पर ट्रैविस हेड के खिलाफ अग्रेसिव सेलिब्रेशन के लिए ICC ने मैच फीस पर 20% जुर्माना लगाया था।

शुरू कर देते हैं। मुझे लगता है कि यह उनके और खेल के लिए अच्छा नजारा नहीं होता है। मुझे उसका जोश पसंद है, मुझे उसका प्रतिस्पर्धी स्वभाव पसंद है, मुझे यह फैक्ट पसंद है कि हमारे पास वास्तव में एक अच्छी सीरीज चल रही है, लेकिन खेल का सम्मान भी है जिसे बनाए रखने की जरूरत है। मुझे लगता है कि सीनियर साथियों के साथ बात करने से उसे इस चीज को समझने में मदद मिलेगी।

टेलर की पूरी बात...

जहां तक मोहम्मद सिराज का सवाल है, तो मैं चाहूंगा कि उनकी टीम के सीनियर साथी उनसे बात करें। ट्रैविस हेड के साथ जो हुआ उसके बारे में इतना नहीं, बल्कि इस चीज को लेकर उनसे बात की जानी चाहिए कि जब उन्हें लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वह अंपायर का फैसला देखने के लिए पलटते नहीं है और सेलिब्रेट करना

हेड से बहस के बाद चर्चा में आए सिराज

एडिलेड टेस्ट के दौरान हेड से थोड़ी बहस करने के बाद सिराज चर्चा का विषय बन गए हैं। पिंक बॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन 7 दिसंबर को हेड ने सिराज की बॉल पर छक्का जमाया। फिर सिराज ने अगली ही बॉल पर उन्हें बोल्ड कर दिया।

सिब्बल बोले- इलाहाबाद हाईकोर्ट जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएंगे

नई दिल्ली. इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के 'कठमुल्ले' वाले बयान पर राज्यसभा सांसद और वकील कपिल सिब्बल ने प्रतिक्रिया दी। दिल्ली में उन्होंने कहा- यह भारत को तोड़ने वाला बयान है। जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएंगे।

सिब्बल ने ये भी कहा कि राजनेता भी ऐसी बात नहीं करते। वे संविधान की रक्षा के लिए बैठे हैं। उनको ये शब्द शोभा नहीं देते। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम को देखना चाहिए कि ऐसे लोग जज न बनें। वहीं, जस्टिस यादव के बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से रिपोर्ट भी मांगी है।

जस्टिस शेखर यादव प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में कहा था- मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि यह हिंदुस्तान है और यह देश यहां रहने वाले बहुसंख्यकों की इच्छा से चलेगा। मैं यह बात हाईकोर्ट के जज के तौर पर नहीं बोल रहा। आप अपने परिवार या समाज को ही लीजिए कि जो बात ज्यादा लोगों को मंजूर होती है, उसे ही स्वीकार किया जाता है।

हिमाचल में प्राइवेट बस खाई में गिरी, ड्राइवर समेत 2 लोगों की मौत

- 9 महीने के बच्चे समेत 42 लोग थे सवार; 25 घायल

कुल्लू. हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के आनी में आज सुबह एक प्राइवेट बस के खाई में गिर गई। इस हादसे में बस ड्राइवर समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि बस में सवार 25 यात्री घायल बताए जा रहे है। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

SHO आनी पंछी लाल ने बताया कि बस के चालक दीनानाथ और एक अन्य की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि बस में ड्राइवर-कंडक्टर समेत 42 लोग सवार थे। सभी घायलों को घटनास्थल से सिविल अस्पताल आनी पहुंचा दिया गया है, जहां पर उपचार चल रहा है। गंभीर रूप से घायल सात व्यक्तियों को रामपुर के लिए रेफर

किया गया है। ड्राइवर ने मौके पर ही दम तोड़ा, जबकि दूसरे ने अस्पताल में अंतिम सांस ली।

सूचना के अनुसार, बस करसोग से आनी की तरफ जा रही थी और सुबह पौने 11 बजे के करीब हादसे का शिकार हो गई। यह हादसा आनी और शवाड़ के बीच करंथल में पेश आया। हादसे के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त बस सड़क से करीब 120 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। इसके बाद मौके पर चीख-पुकार मची। वहां से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घायलों को प्राइवेट वाहन और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय प्रशासन घायलों को 5-5 हजार की फौरी राहत और मृतक के आश्रितों को 25 हजार रुपए की राहत राशि दे रहा है। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आनी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि घायलों के बेहतर उपचार और चिकित्सा सहायता के विभाग को निर्देश दिए गए है।

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

4.58 लाख की बिजली चोरी उजागर

भिवंडी. कोटरगेट काप कणेरी परिसर निवासी बिजली ग्राहक अन्सारी मो. अझहर मो.अधर व आबुजर मोहम्मद आजर अन्सारी ने आपसी साठगांठ कर करीब एक वर्ष से मिनी सेक्शन पिलर में जाने वाली केबल में तार जोड़कर बिजली चोरी की घटना को अंजाम दिया.

टोरेंट पावर विजिलेंस टीम की जांच के दौरान 4,58,444 रुपए की बिजली चोरी का खुलासा हुआ है.विजिलेंस टीम ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दाखिल कराई है. टोरेंट पावर विजिलेंस टीम ने बिजली चोरों पर सख्त एक्शन लेने के संकेत दिए हैं.

‘लाडकी बहिन’ योजना लाभार्थियों की पुन: जांच की कोई योजना नहीं -अदिति तटकरे

मुंबई. महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री अदिति तटकरे ने ‘मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना’ के तहत लाभार्थी महिलाओं के आवेदनों की पुनः जांच कराने के महायुति सरकार के कथित फैसले को लेकर आ रही खबरों का खंडन किया है।

पिछले महीने हुए विधानसभा चुनावों में ‘महायुति’ गठबंधन की जीत में महिलाओं को हर महीने दी जाने वाली वित्तीय सहायता योजना का अहम योगदान माना जा रहा है।

पूर्ववर्ती एकनाथ शिंदे सरकार में महिला एवं बाल कल्याण विभाग का कार्यभार संभालने वाली तटकरे की देखरेख में ही योजना का क्रियान्वयन हुआ था। तटकरे की आवेदनों की जांच के संबंध में यह टिप्पणी नव-नियुक्त मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस द्वारा सरकार की अपात्र लाभार्थियों की पहचान करने की मंशा के खुलासे के कुछ दिनों बाद आई है।

उन्होंने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से बातचीत में कहा, ‘‘ इस योजना के तहत लाभार्थियों के आवेदनों की दोबारा जांच करने का कोई सवाल ही नहीं है। वर्तमान में करीब 2.34 करोड़ महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा है और आवेदन स्वीकृत करने से पहले उनकी गहन जांच की गई थी। इस

संबंध में लेकर आई खबर गलत है।’’

लाडकी बहिन योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह मिलते हैं, जिसे चुनाव प्रचार के दौरान ‘महायुति’ के नेताओं ने बढ़ाकर 2,100 रुपये करने का वादा किया था।

सत्तारूढ़ ‘महायुति’ गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल है। तटकरे ने स्वीकार किया कि योजना के तहत कुछ अपात्र महिलाओं को लाभ मिलने की शिकायतें मिली हैं।

राकांपा विधायक ने कहा,‘‘शिकायतों पर गौर करना और निर्णय लेना महिला एवं बाल विकास विभाग का विशेषाधिकार है। विभाग प्राप्त होने वाली किसी भी शिकायत का निपटारा करेगा, लेकिन मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि आवेदनों की फिर से समीक्षा या जांच करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।’’

फडणवीस ने कहा था कि योजना के तहत कुछ लाभार्थियों द्वारा मानदंडों का पालन नहीं करने की शिकायतों के मद्देनजर आवेदनों की जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा, ”इसे पूरी तरह से खत्म नहीं किया जाएगा। इसकी जांच पीएम किसान योजना की तर्ज पर की जाएगी, जहां अपात्र लाभार्थियों ने स्वयं ही लाभ लेना बंद कर दिया था।”

भिवंडी में नकली कॅस्ट्रोल ऑइल जब्त

■ निजामपुर पुलिस की कार्रवाई

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. वाहन के इंजन में प्रयुक्त होने वाला कॅस्ट्रोल ऑइल ब्रांड नामक नकली ऑइल की विक्री भिवंडी में सुरू होने की सूचना मुखबिर से पुलिस को मिली थी. सूचना के बाद निजामपुर पुलिस की टीम ने जाल बिछाकर बोगस ऑईल विक्री करने वाले युवक को भिवंडी एसटी स्टैंड पर बुलाया और हिरासत में लिया.हिरासत में लिए गए युवक के खुलासे के बाद नागाव स्थित सागर प्लाझा हॉटेल परिसर स्थित

फॅशन ऑटो पार्टस दुकान में विक्री के लिए रखे गए 3 लाख 19 हजार 200 रुपये कीमत की 620 बोतल बनावट कॅस्ट्रोल ऑईल का भंडार और विक्री में लिप्त 2 लोगों को हिरासत में लिया है.पुलिस ने डुप्लीकेट आइल विक्री का आपराधिक मामला दाखिल किया है.

भाजपा की महिला मंडल की ओर से

संजय राऊत के विरोध में जूता मारो आंदोलन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. मुख्यमंत्री मेरी प्यारी बहना योजना के लाभार्थियों के विरोध में अपमान जनक टिप्पणी सांसद संजय राऊत ने किया था।आज उसके विरोध में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से तीव्र धिक्कार कर विरोध किया गया।राऊत से अपने अपमान जनक शब्दों को लेकर माफी मांगने के लिए मांग किया। सांसद राऊत ने हाल ही में विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि महिलाओं को इस योजना के माध्यम से 1500 रुपए देकर वोट को खरीदने का आरोप पत्रकार परिषद में लगाया था।भाजपा शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले के मार्गदर्शन में महिला मोर्चा अध्यक्षा स्नेहा पाटील ने सांसद संजय राऊत के फोटो पर चप्पल से मारने का आंदोलन आयोजित किया जिसका अच्छा प्रतिसाद मिला।यह आंदोलन भाजपा ठाणे विभागीय कार्यालय के बाहर किया गया।इसमें पूर्व नगरसेविका अर्चना मणेरा,पूर्व नगरसेविका नम्रता कोली, शहर उपाध्यक्षा विद्या शिंदे, श्रुती महाजन-कोंगनोलीकर, सपना भगत, श्रुतिका कोली-मोरेकर, स्वप्ना देवरे, महिला मोर्चा जिला महासचिव रितू सिकॉन, शीतल कारंडे,नौपाडा मंडल महिला मोर्चा अध्यक्षा वृषाली वाघुले, गीता देशमुख, कांचन पाटील, लक्ष्मी चांदणे, सुवर्णा अवसरे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार को साईड न देने पर पिटाई

भिवंडी. भिवंडी ग्रामीण अंतर्गत क्षेत्र सुरई फाटा डोबिंवली,मोठागाव ब्रिज के पास तेजी से आई कार को साईड न देने पर नाराज होकर कार सवार 3 युवकों ने दूसरे कार चालक की पिटाई कर मौके से रफूचक्कर हो गए. वेहेले गाव से यश सुधीर पाटील अपनी कार लेकर जा रहे थे. सुरई गाव निवासी क्रिश पाटील अपने 2 दोस्तों के साथ रात्रि 10 बजे तीव्र गति से कार चलाते हुए जोर से हॉर्न बजाते हुए साइड मांगी.साइड नहीं मिलने पर दोनों कार सवारों में आपस में विवाद हो गया.कार में सवार धरुन क्रिश पाटील व दोनों दोस्तों ने मिलकर यश पाटील को लोहे के फाइटर एवं लात घूंसो से बुरी तरह मारा जिससे वे घायल हो गए.

शिवसेना के 11 विधायक बनेंगे मंत्री

■ दो दिग्गजों का कटेगा पत्ता

मुंबई. महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हो चुका है जिसमें महायुति के दो दलों- शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार उप मुख्यमंत्री बने हैं. सरकार गठन के बाद अब मंत्रिमंडल गठित करने की प्रक्रिया तेज हो गई है. ताजा खबर ये है कि शिवसेना कोटे से इस बार 11 विधायक मंत्री बन सकते हैं.

शिवसेना ने राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए अपने पूर्व मंत्रियों और संभावित मंत्रियों की

सूची तैयार कर ली है. इस बार जो सूची सामने आ रही है उसमें दो पूर्व मंत्रियों का पत्ता साफ होता दिख रहा है और उनकी जगह नए चेहरों को जगह मिलती दिख रही है.

इन मंत्रियों का पत्ता साफ

सूत्रों ने बताया कि पूर्व मंत्री संजय राठौड़ और अब्दुल सत्तार को उनके पिछले प्रदर्शन और आरोपों को देखते हुए मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की संभावना नहीं है. शिवसेना से 5 नए विधायकों को शामिल किए जाने की संभावना है.

संभावित मंत्री

शिवसेना के मंत्री पद के दावेदार भरतशेठ गोगावले, संजय शिरसाट, प्रताप सरनाईक, अर्जुन खोतकर और विजय शिवतारे को कैबिनेट में जगह मिल सकती है. माना जा रहा है कि महायुति में शिवसेना को 13 से 14 मंत्री पद मिलेंगे. इनमें से 10 से 12 मंत्री इसी सप्ताह शपथ लेंगे.

कुल 43 विधायक बन सकते हैं मंत्री

आपको बता दें कि राज्य में कुल 288 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं. इस बार चुनाव में बीजेपी एक बार फिर सबसे बड़ी पार्टी बनी और 132 सीटों पर चुनाव जीता. दूसरे नंबर पर शिवसेना ने 57, एनसीपी ने 41 सीटें हासिल की हैं. यहां मुख्यमंत्री समेत मंत्रिमंडल की क्षमता 43 है. यानी कैबिनेट और राज्यमंत्री दोनों की संख्या इससे ज्यादा नहीं हो सकती है. अब तक तीनों ही दलों के 29 मंत्री थे. इनमें बीजेपी-शिवसेना के 10-10 और एनसीपी के 9 मंत्री थे.

ये 11 विधायक बनेंगे मंत्री!

शिवसेना की पात्रता परीक्षा पास करने वाले और मंत्री पद की शपथ लेने वाले संभावित मंत्रियों के बारे में यह जानकारी पार्टी के वरिष्ठ सूत्रों ने दी है. शिवसेना की प्रगति बुक में खरे उतरने वाले संभावित मंत्री इस प्रकार हैं-

1) गुलाबराव पाटिल
2) उदय सामंत
3) दादा भुसे
4) शंभुराज देसाई
5) तानाजी सावंत
6) दीपक केसरकर
7) भरतशेठ गोगावले
8) संजय शिरसाट
9) प्रताप सरनाईक
10) अर्जुन खोतकर
11) विजय शिवतारे

मनपा कर्मियों को कार्यालय लेट आना पड़ा भारी

मनपा आयुक्त अजय वैद्य द्वारा गेट बंद कराने पर खुली लेटलतीफी की पोल

■ 50 मनपा कर्मियों को कारण बताओ नोटिस

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. मनपा प्रशासक, आयुक्त अजय वैद्य द्वारा मनपा मुख्यालय का प्रवेश गेट मंगलवार सुबह 9.45 पर अचानक बंद कराए जाते ही ड्यूटी पर लेटलतीफ आने वाले अधिकारी,कर्मचारियों की पोल खुल गई है.सुबह तय समय के बाद कार्यालय लेटलतीफ पहुंचने वाले जब मनपा मुख्यालय प्रवेश गेट को बंद पाया तो सन्न रह गए.मनपा आयुक्त अजय वैद्य के आदेश पर लेटलतीफ मनपा कार्यालय आने आने वाले करीब 50 मनपा कर्मियों को मनपा उपायुक्त (मुख्यालय) रोहिदास दोरुलकर ने कारण बताओ नोटिस

देकर जवाब तलब किया है अन्यथा एक्शन की चेतावनी दी है.मनपा प्रशासन के कड़क रुख से ड्यूटी पर बिलंब से आने वाले लापरवाह मनपा कर्मियों के होश उड़ गए हैं.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा के तमाम अधिकारी, कर्मचारी सुबह ड्यूटी पर बिलंब से आने और शाम को ड्यूटी छोड़कर जल्दी घर जाने को मशहूर हैं.आलम यह है कि, शासन के निर्देश के अनुसार,सुबह ड्यूटी का टाइम 9.45 एवं शाम को ड्यूटी खत्म होने का समय 6.15 होने के बावजूद अधिसंख्यक मनपा अधिकारी,कर्मचारी सुबह 11बजे तक आते हैं और शाम 5.30 बजे तक मस्ती से बिंदास घर निकल जाते हैं.अधिसंख्यक नागरिक आरोप लगाते रहते हैं कि, मनपा अधिकारी, कर्मियों के सुबह देर से आने और शाम को जल्दी घर चले जाने के कारण नागरिकों का आवश्यक काम भी तय समय से नहीं हो पाता है.मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने लेटलतीफ शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मनपा मुख्यालय का प्रवेश द्वार सुबह 9.45 पर सुरक्षा रक्षकों को बंद करने का निर्देश दिया तो लेटलटीफ आने वाले अधिकारी, कर्मचारियों की जान सांसत में आई.कार्यालय बिलंब से आने वाले तमाम मनपा कर्मी सुरक्षा रक्षकों से गेट खोलने की मनुहार करते देखे गए लेकिन सुरक्षा रक्षकों ने आयुक्त के निर्देश का हवाला देते हुए गेट तब तक नहीं खोला जब तक मनपा उपायुक्त (मुख्यालय) रोहिदास दोरूलकर का निर्देश नहीं आया.आयुक्त अजय वैद्य ने तमाम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ड्यूटी पर समय से पाबंद होकर कार्य किए जाने की हिदायत दी है अन्यथा मनपा सेवा शर्तों के तहत सख्त एक्शन की चेतावनी दी है.

शास्त्रीनगर स्वास्थ्य केंद्र की जगह पर भूमाफियाओं का कब्जा

ठाणे. शास्त्रीनगर नं. 1 में स्वास्थ्य केंद्र की खाली जगह पर भूमाफियाओं ने अवैध दुकानों का निर्माण कर दिया है।

मुख्यमंत्री के विशेष निधी से वरिष्ठ नागरिकों के लिए व स्वास्थ्य केंद्र को बनाने के लिए मंजूरी मिली है।इस विषय को लेकर मनपा आयुक्त, उपायुक्त, वर्तकनगर सहायक आयुक्त के पास कई बार पूर्व नगरसेवक हणमंत जगदाले ने लिखित शिकायत किया है।इस विषय को लेकर आज वर्तक नगर प्रभाग समिति में स्थानीय रहिवासियों ने जमकर आंदोलन किया।

भिवंडी में 14 जनवरी को अस्थमा शिविर

भिवंडी. रोटरी क्लब आफ भिवंडी के नेतृत्व में निरंतर 27 वें वर्ष अस्थमा के उपचार के लिए पूर्णिमा शनिवार 14 जनवरी को रात्रि 9 बजे एकदिवसीय अस्थमा कैंप का आयोजन छत्रपति शिवाजी महाराज चौक चाचा नेहरू हिंदी हाईस्कूल प्रांगण में किया गया है.उक्त जानकारी प्रोजेक्ट चेयरमैन वरिष्ठ रोटेरियन पुरुषोत्तम दास भाई पटेल ने देते हुए कहा कि, अस्थमा पीड़ितों को दवा प्राप्ति के लिए कांच की कटोरी लाना अनिवार्य है.अस्थमा कैंप का आयोजन कपड़ा बाजार सदावर्त संस्था एवं सहयोगी शिक्षण संघ के सहयोग से किया गया है. पूर्णिमा की रात्रि को पीड़ितों को कुशल चिकित्सक द्वारा खीर में दवाई डालकर कांच की कटोरी में दी जाती है.अस्थमा पीड़ित अर्धरात्रि तक चंद्रमा की रोशनी में रखी हुई दवा का सेवन करते हैं. रोटरी क्लब आफ भिवंडी द्वारा प्रतिवर्ष मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन आयोजित होने वाले अस्थमा उपचार कैंप से भिवंडी सहित दूरदराज एरिया के हजारों अस्थमा पीड़ित को बीमारी से छुटकारा मिला है.

आम सूचना

मैं श्री विकास धीरज उपाध्याय सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, कपिल मेडिकल के पीछे, कमला नेहरू नगर, धोबीघाट, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 03एओ020061500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती रमा सत्यनारायण सिंह के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 9.10.2024 सी.नं. 5570/2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विकास धीरज उपाध्याय

‘मॅट’ के 33 वर्षों में प्रथमत: ही लोक अदालत का आयोजन

■ सेवा विषयक 138 मामलों का निपटारा

मुंबई. महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण के (मॅट) इतिहास में 33 वर्षों में प्रथमतलः ही लोक अदालत का आयोजन किया गया था. इस लोक अदालत में 542 सेवा विषयक मामलों में से 138 मामलों का निपटान किया गया है.

न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ती मृदुला भाटकर के मार्गदर्शन में यह अभिनव उपक्रम सफल हुआ. महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण और मुंबई उच्च न्यायालय विधि सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित लोक अदालत के लिए तीन पॅनल आयोजित किये गए थे. पॅनल प्रमुख के रूप में न्यायमूर्ती विनय जोशी, सेवानिवृत्त सदस्य (न्या) ए. पी. कु*हेकर, आर. बी. मलिक ने कामकाज देखा. नितिन गद्रे (नागपूर), विजयकुमार (औरंगाबाद), विजया चौहान, संदेश तडवी, आर. एम. कोलगे और एम.बी. कदम ने सदस्य के रूप में कामकाज देखा. अदालत में अनेक वर्ष लंबित मामलों की मुख्य प्रस्तुतकर्ता अधिकारी स्वाती मणचेकर ने जाँच पड़ताल की.

इस लोक अदालत में नागपूर, मुंबई और छत्रपति संभाजीनगर इन तीनों खंडपीठ के 542 मामलों में से 138 मामलों का निपटान किया गया. इनमें मुंबई खंडपीठ के – 238 मामलों में से 39, वहीं नागपूर- खंडपीठ के 150 में से 63 और छत्रपति संभाजीनगर खंडपीठ के 154 मामलों में से 36 मामलों का निपटान किया गया.

तीन मामलों में 126 आवेदकों को सरकारी नौकरी

- इस लोक अदालत के तीन मामलों में समझौता होने से 126 आवेदकों को सरकारी नौकरी का रास्ता अब खुला हो गया है. जलसंधारण विभाग के 171 और कृषि विभाग के 218 सीटें पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित थी. इसमें से सभी सीटों के लिए पूर्व सैनिक उम्मीदवार नहीं मिल सकें. इसलिए लोक अदालत में (तडजोडीनंतर) के बाद शेष रिक्त जगहों पर यानि सीटों पर अन्य उम्मीदवारों को उपलब्ध कराई गई है. इस निर्णय से 126 उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी मिल सकेगी. इस निर्णय से पूर्व सैनिकों पर किसी भी तरह का अन्याय नहीं होगा.
- लोक अदालत को सफल बनाने के लिए मुख्य सचिव सुजाता सौनिक के मार्गदर्शन में सभी विभागों के सचिव समेत न्यायाधिकरण के सभी सर्व अधिकारी, कर्मचारी, मुख्य प्रस्तुतकर्ता अधिकारी, न्यायाधिकरण बार असोसिएशन के सभी वकील, सरकार के सभी नोडल अधिकारी इन सभी ने सहयोग किया.

शुभम टँक्स अँड लाइनर प्रायव्हेट लिमिटेड

ड्रायवरच्या आवश्यकता आहे

- **पदाचे नाव:** चालक (Driver)
- **रिपोर्टिंग:** एक्झिक्युटिव्ह असिस्टंट **कामाचे ठिकाण:** ठाणे
- **पदाचा प्रकार:** १ वर्षांचा करारावर आधारित
- **पदासाठी नवीन/स्थानापन्न:** ठाणे
- **पात्रता व अनुभव:** ५ - १५ वर्षांचा अनुभव (एसएससी/एचएससी उत्तीर्ण)

मुख्य जबाबदाऱ्या

- मालकाच्या गाडीचे (स्वयंचलित कार) ड्रायव्हिंग करणे.
- गाडीची अंतर्गत स्वच्छता करणे. कार्यालयीन कामे देखील जबाबदारीत समाविष्ट असतील.
- **इच्छित पात्रता** - ५ - १५ वर्षांचा ड्रायव्हिंगचा अनुभव.
- **वय:** ३० - ४० वर्षे.

ठाणे व आसपास राहणारे उमेदवार प्राधान्य.
दारू/धूम्रपानाची सवय नसावी.

कामाचे तास व वेतन

- **कामाचे वेळ:** सकाळी ८:३० ते रात्री ८:३० (रविवार सुट्टी).
- **वेतन:** १८,००० - २२,०००.
- **ओव्हरटाइम:** प्रति तास वेतनानुसार.
- **वेतन जमा होण्याची तारीख:** दर महिन्याच्या १ तारखेला.

इतर महत्त्वाची माहिती
पिक-अप पॉइंट: दोस्ती इम्पीरिया, माणपाडा, ठाणे पश्चिम.
विश्वसनीय, प्रामाणिक व जबाबदार उमेदवार हवा.

संपर्क 8291920072

STAFF REQUIRED

SINDHI MALE

Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT & For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED

CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

परिणीति ने एनिमल छोड़ी या डायरेक्टर ने किया था बाहर?

■ एक्ट्रेस बोलीं- फिल्म छोड़ने का पछतावा नहीं, भगवान ने मेरे लिए कुछ और लिखा था

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल हिट साबित हुई थी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म के लिए संदीप रेड्डी वांगा की पहली पसंद रश्मिका नहीं, बल्कि परिणीति चोपड़ा थीं। अब हाल ही में परिणीति ने बताया कि उन्होंने चमकीला फिल्म के लिए एनिमल को मना कर दिया था। जबकि एक इंटरव्यू में संदीप रेड्डी वांगा ने यह कहा था कि उन्होंने परिणीति को फिल्म से बाहर किया था और इसके लिए उनसे माफी भी मांगी थी।

एनिमल की डेट में चमकीला ऑफर हो गई थी- परिणीति

परिणीति चोपड़ा और उनके पति राघव चड्ढा हाल ही में आपकी अदालत में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने रजत शर्मा से बातचीत में कहा, 'मुझे एनिमल फिल्म में रश्मिका मंदाना का रोल खोने का कोई पछतावा नहीं है। मैं सच कहूं तो मुझे लगता है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ अच्छा ही सोचा था। मैं उस फिल्म (एनिमल) को कर रही थी और सब कुछ तय हो चुका था, लेकिन उसी समय मुझे चमकिला फिल्म का ऑफर मिला। दोनों की डेट भी सेम थी।'

परिणीति ने कहा, 'मुझे कई गाने के ऑफर मिले थे। मुझे एआर रहमान के साथ भी काम करने का मौका मिला था। इतना ही नहीं, मुझे और भी कई अच्छे मौके मिले। लेकिन, इम्तियाज अली मेरे ड्रीम डायरेक्टर हैं, तो जब मुझे इतना कुछ करने को मिल रहा था, तो मैंने एनिमल के बजाय चमकिला को चुना।'

परिणीति ने आगे कहा, 'मैं मानती हूं कि जो प्यार, सपोर्ट, पहचान और सम्मान मुझे इस फिल्म से मिला, उससे मुझे कोई पछतावा नहीं है। मैं बहुत खुश हूं।'

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099